Baba’s Praise

05/09/2015

- सब आत्माओं का एक बाप है। शरीरों के बाप अलग-अलग होते हैं। यह भी बच्चों की बुद्धि में है, हद के बाप से हद का और बेहद के बाप से बेहद का वर्सा मिलता है।
- तुम हो ही एवर शान्त बाप के बच्चे। यह वर्सा उनसे मिलता है। उनको कोई मोक्ष नहीं कहेंगे। मोक्ष तो भगवान को भी नहीं मिल सकता।
- शान्ति तब है जब एक धर्म है। जो धर्म बाप स्थापन करते हैं। बाद में जब और-और धर्म आते हैं तो अशान्ति होती है।
- बाप वर्सा देने आये हैं। स्वर्ग में तो सभी नहीं आयेंगे। न त्रेता में सब आ सकते हैं।
- पहले शूद्र हैं अनेक, फिर बाप आकर रचना रचते हैं - ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मणों की।
- मनुष्य तो झाड़ के सैपलिंग लगाते हैं। बाप भी सैपलिंग लगाते हैं जहाँ विश्व में शान्ति हो।